RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS OF COMPETITIVE EXAMINATION FOR THE POST OF LECTURER (SCHOOL EDUCATION)

HINDI

PAPER – II

खंड–प्रथमः उच्च माध्यमिक स्तर

- **वर्ण व्यवस्था**
    - स्वर व व्यंजनों का वर्गीकरण
    - कोश–क्रम
- **शब्द–वर्गीकरण (स्रोत के आधार पर)**
    - तत्सम
    - तद्भव
    - विदेशी
- **शब्द–वर्गीकरण (व्याकरण के आधार पर)**
    - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया व इन सभी के भेद
    - क्रियाविशेषण व भेद
- **व्याकरणिक कोटियाँ**
    - लिंग
    - वचन
    - कारक
    - काल
- **शब्द– रचना**
    - संधि (स्वर व व्यंजन) एवं भेद
    - समास व भेद
    - उपसर्ग
    - प्रत्यय व भेद
- **शब्द– ज्ञान**
    - पर्यायवाची शब्द
    - विलोम शब्द
    - अनेकार्थी शब्द
    - समश्रुत भिन्नार्थक शब्द
    - वाक्यांश के लिए एक शब्द
- **वाक्य रचना**
    - वाक्य के अंग
    - वाक्य के भेद– उपभेद
- **शब्द शुद्धीकरण**
- **वाक्य शुद्धीकरण**
- **मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ**
    - अर्थ एवं प्रयोग

खंड–द्वितीयः स्नातक स्तर

- **शब्द शक्तियाँ, काव्य–गुण**
  - भेद व उदाहरण
- **काव्य–दोष**
  - श्रुतिकटुत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व, ग्राम्यत्व, क्लिष्टत्व, अप्रतीतत्व
- **अलंकार**
  - यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, विभावना, असंगति, विरोधाभास, अतिशयोक्ति, अपह्नुति
- **छंद**
  - द्रुतविलम्बित, हरिगीतिका, दोहा, सोरठा, कुण्डलिया, चौपाई, छप्पय, मन्दाक्रान्ता, मत्तगयन्द सवैया, मनहरण कवित्त
- **रस**
  - रस का स्वरूप
  - रसावयव
  - रस– भेद
- **हिन्दी साहित्य का इतिहास**
  - इतिहास–लेखन की परम्परा
  - प्रमुख इतिहास–ग्रंथ एवं इतिहास–लेखक
  - हिन्दी साहित्य का आरम्भ, काल–विभाजन और नामकरण
- **आदिकाल**
  - रचनाओं की प्रामाणिकता
  - प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  - प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ
- **भक्तिकाल–**
  - भक्ति का उद्भव, विकास और दार्शनिक पृष्ठभूमि
  - संत काव्य– प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कवि एवं रचनाएँ
  - सूफी काव्य– प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कवि एवं रचनाएँ
  - राम भक्ति काव्य– प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कवि एवं रचनाएँ
  - कृष्ण भक्ति काव्य– प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कवि एवं रचनाएँ
- **रीतिकाल–**
  - रीतिबद्ध– प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कवि एवं रचनाएँ
  - रीतिसिद्ध – प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कवि एवं रचनाएँ
  - रीतिमुक्त– प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कवि एवं रचनाएँ
- **आधुनिककाल**
  - नवजागरण,
  - हिंदी (खड़ी बोली) गद्य का उद्भव
  - भारतेंदुयुगीन गद्यकारों का योगदान
  - भारतेंदुयुगीन पत्रकारिता
- **गद्य की विविध विधाओं का विकास–**
  - नाटक, एकांकी, निबंध, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तांत की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रचनाकार एवं रचनाओं का परिचय

- **पद्य का विकास–**
    - भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता व समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कवि एवं रचनाओं का परिचय

खंड–तृतीयः स्नातकोत्तर स्तर

- **काव्यशास्त्र**
    - काव्य– हेतु,
    - काव्य– लक्षण
    - काव्य– प्रयोजन
- **रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण,**
- **ध्वनि सिद्धान्त,**
- **वक्रोक्ति सिद्धान्त**
- **अरस्तू**
    - अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी
- **लोंजाइनस**
    - उदात्ततत्त्व
- **हिंदी भाषा**
    - उद्भव और विकास
    - बोलियाँ
    - राजस्थानी की प्रमुख बोलियाँ
    - राजभाषा
    - देवनागरी लिपि का मानक स्वरूप
- **निर्धारित पाठ**
- **कबीर ग्रंथावली** – सं0 श्यामसुंदरदास
  साखी – प्रारम्भिक 05 अंग
  पद– प्रारम्भिक 10 पद
- **जायसी ग्रन्थावली–** सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
  नागमती वियोग खण्ड
- **रामचरित मानस**– तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
  बालकांड
- **भ्रमरगीतसार** – सूरदास– सं आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
  पद– प्रारम्भिक 20 पद
- **बिहारी रत्नाकर** – सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
  दोहे – प्रारम्भिक 25 दोहे
- **घनानन्द कवित्त**– घनानन्द सं. आ. विश्वनाथप्रसाद मिश्र
  (प्रथम शतक) प्रारम्भिक 10 छन्द
- **साकेत** – मैथिलीशरण गुप्त
  नवम सर्ग
- **राम की शक्तिपूजा**–सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
- **आपका बंटी** – मन्नू भण्डारी
- **कहानियाँ**
  कफन– प्रेमचन्द
  पुरस्कार– जयशंकर प्रसाद

गैंग्रीन / रोज – अज्ञेय
गदल – रांगेय राघव

- **चन्द्रगुप्त** – जयशंकर प्रसाद

खंड–चतुर्थ (शिक्षण–शास्त्र, शिक्षण– अधिगम सामग्री, शिक्षण–अधिगम में संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग)

- **शिक्षण शास्त्र एवं शिक्षण अधिगम सामग्री (किशोर अधिगमकर्त्ता हेतु अनुदेशनात्मक रणनीतियाँ)**
  - संप्रेषण कौशल एवं विविध शाब्दिक एवं अशाब्दिक कक्षा–कक्ष संप्रेषण रणनीतियों का प्रयोग / उपयोग
  - शिक्षण प्रतिमान– अग्रिम संगठक प्रतिमान एवं पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान (सूचना प्रसंस्करण), सामूहिक अन्वेषण (सामाजिक अंतः क्रिया) गैर निर्देशात्मक प्रतिमान (व्यक्तिगत विकास)
  - शिक्षण के दौरान शिक्षण–अधिगम सामग्री का निर्माण एवं प्रयोग
  - सहकारी अधिगम

- **शिक्षण अधिगम में संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग**
  - आई.सी. टी. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) का संप्रत्यय एवं डिजिटल अधिगम
  - ई– अधिगम एवं वर्चुअल (आभासी) कक्षा–कक्ष
  - शिक्षण–अधिगम एवं आकलन में प्रौद्योगिकी का एकीकरण

*****

For the competitive examination for the post of **School Lecturer: -**
The question paper will carry maximum **300 marks**.

1. Duration of question paper will be **Three Hours**.
2. The question paper will carry **150 questions** of multiple choices.
3. Negative marking shall be applicable in the evaluation of answers. For every wrong answer one third of the marks prescribed for that particular question shall be deducted.
4. Paper shall include following subjects: -
   (i) Knowledge of Subject Concerned: Senior Secondary Level
   (ii) Knowledge of Subject Concerned: Graduation Level.
   (iii) Knowledge of Subject Concerned: Post Graduation Level.
   (iv) Pedagogy, Teaching Learning Material, Use of Computers and Information Technology in Teaching Learning.